**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**23.03.2018 के**

**तारांकित प्रश्न सं. 310 का उत्तर**

**केरल जाने वाली रेलगाड़ियों के डिब्बों की खराब स्थिति**

\***310. श्री जॉय अब्राहमः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या मंत्रालय को केरल जाने वाली रेलगाड़ियों, विशेषकर केरल एक्सप्रेस, हिमसागर

एक्सप्रेस, विवेक एक्सप्रेस आदि जैसी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों के डिब्बों की अत्यंत खराब स्थिति के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो मंत्रालय ने इस समस्या के समाधान के लिए क्या कार्यवाही की है; और

(ग) इस तथ्य पर विचार करते हुए कि लंबी दूरी की जिन रेलगाड़ियों में यात्रियों को कई दिन तक यात्रा करनी होती है, उनके लिए कम दूरी की रेलगाड़ियों के डिब्बों की तुलना में बेहतर डिब्बों की आवश्यकता है, उनमें बेहतर शयनयान डिब्बों की व्यवस्था करने के लिए क्या-क्या उपाए किए गए हैं?

**उत्तर**

**रेल और कोयला मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क) से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

केरल जाने वाली रेलगाड़ियों के डिब्‍बों की खराब स्‍थिति के संबंध में दिनांक 23.03.2018 को राज्‍य सभा में श्री जॉय अब्राहम के तारांकित प्रश्‍न सं.310 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण।**

(क) और (ख): जी हां। केरल जाने वाली गाड़ियों के बारे में शिकायतें प्राप्‍त हुई हैं। ये शिकायतें सवारी डिब्‍बों की साफ-सफाई और रखरखाव दोनों से संबंधित हैं।

केरल जाने वाली गाड़ियों में सुधार लाने के लिए निम्‍नलिखित कार्रवाई की गई हैं:

1. तिरुवनंतपुरम और पालघाट मंडलों से गुजरने वाली गाड़ियों का तिरुवनंतपुरम, नागरकोइल, एर्णाकुलम, एलेप्‍पी, कोचुवेली, शोराण्‍णूर और मंगलौर में विभिन्‍न कोचिंग डिपो में अनुरक्षण किया जाता है। इन डिपो में सवारी डिब्‍बों का प्राथमिक और गौण अनुरक्षण के दौरान अच्‍छी तरह से अनुरक्षण और साफ-सफाई की जाती है।
2. चूंकि सवारी डिब्‍बों की स्‍थिति में सुधार लाने पर ध्‍यान दिया जाता है, इसलिए निम्‍नानुसार अभियान चलाए गए हैं:
3. सेकंड क्‍लास कम लगेज ब्रेक वैन (एसएलआर) एवं वेस्‍टीब्‍युल, ब्रेक, लगेज कम जेनरेटर कार (डब्‍ल्‍यूएलआरआरएम) में बाईपास कपलरों का प्रावधान।
4. पेंट्री कारों की साफ-सफाई और उनमें कीटाणुनाशकों का छिड़काव।
5. मोबाइल चार्जिंग पाइंटों का काम न करना।
6. गाड़ियों की मार्गवर्ती रुकौनी से बचना।
7. जैव-शौचालयों के बारे में यात्रियों को जागरूक करना।
8. शौचालयों में कूड़ेदान रखना।
9. जैव-शौचालयों की परफार्मेंस।
10. छत टपकने और खराब शटरों के कारण सवारी डिब्‍बों में पानी की लीकेज।
11. सवारी डिब्‍बों की बाहरी पेंटिंग।
12. प्रथम श्रेणी वातानुकूलित कोच (एफएसी) और प्रथम श्रेणी सह द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित कोच (एफएससीडब्‍ल्‍यूएसी) सवारी डिब्‍बों की स्‍थिति।
13. अंडर गियर फिटिंग की स्‍थिति सुनिश्‍चित करना।
14. डेस्‍टीनेशन बोर्ड, कोच इंडिकेशन बोर्ड और पैनल बोर्ड का प्रावधान करना।
15. सेकंड क्‍लास कम लगेज ब्रेक वैन (एसएलआर) सवारी डिब्‍बों में हैंड ब्रेक और पावर ब्रेक के काम करने की स्‍थिति।
16. सवारी डिब्‍बों में कमोड शूट की उपलब्‍धता।
17. सभी पिट लाइन और प्‍लेटफार्मों में हाई प्रैशर जैट सिस्‍टम लगाए गए हैं ताकि सवारी डिब्‍बों और शौचालयों की सही ढंग से साफ-सफाई की जा सके।
18. एर्णाकुलम और नागरकोइल डिपो में सवारी डिब्‍बों की मशीनीकृत सफाई शुरू की गई है। इन्‍हें अन्‍य सभी डिपो में भी क्रमिक रूप से शुरू किया जाएगा। शोराण्‍णूर और मंगलौर जंक्‍शन में मार्गवर्ती साफ-सफाई पर ध्‍यान देने के लिए क्‍लीन ट्रेन स्‍टेशन (सीटीएस) ठेका दिया गया है। इन दो स्‍टेशनों पर प्रति दिन लगभग 400 सवारी डिब्‍बों की मार्गवर्ती सफाई की जाती है।
19. गाड़ियों में ऑनबोर्ड क्‍लीनिंग सेवाओं के लिए ऑनबोर्ड हाऊसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) शुरू की गई है। केरल में चिह्नित 79 गाड़ियों में से, 58 गाड़ियों में ओबीएचएस शुरू कर दी गई है। अन्‍य 21 गाड़ियों में ओबीएचएस सुविधाओं पर कार्य प्रगति पर है।
20. यात्रियों को अच्‍छी तरह से धुले हुए लिनेन मुहैया कराने के लिए, तिरुवनंतपुरम मंडल के कोचुवेली डिपो में 3 टन की क्षमता वाली एक यंत्रीकृत लांड्री उपलब्‍ध है।
21. केरल जाने वाली सभी गाड़ियों में ‘कोच मित्र’ / ‘क्‍लीन माई कोच’ सेवा शुरू की गई है, जिसमें यात्री इसके लिए यात्रा के दौरान साफ-सफाई संबंधी आवश्‍यकताओं के लिए एसएमएस भेज सकते हैं।
22. विशेषरूप से मॉनसून के दौरान अनुरक्षण के समय छत और वातानुकूलित (एसी) डक्‍ट की अच्‍छी तरह से जांच की जाती है ताकि लीकेज का पता लगाया जा सके। शटर के अंदर गैप की भी जांच की जाती है और आवश्‍यक होने पर इसमें सुधार किया जाता है। केरल में चलने वाली सभी गाड़ियों में इसकी जांच करने के लिए आवधिक अभियान चलाने के आदेश दिए जाते हैं।
23. एसी सवारी डिब्‍बों का गहन अनुरक्षण किया जाता है और साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं संबंधी मदों एवं टॉयलेटरीज़ की उपलब्‍धता सुनिश्‍चित करने के लिए विशेष ध्‍यान दिया जाता है।
24. केरल में चलने वाली 8 गाड़ियों में नए डिज़ाइन के लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) सवारी डिब्‍बे लगाए गए हैं। हाल ही में सवारी डिब्‍बा कारखाना (आईसीएफ), चेन्‍नै द्वारा तैयार किया गया एक मॉडल रेक वायनाड एक्‍सप्रेस में लगाया गया है। भविष्‍य में, उत्‍पादन इकाइयों से उपलब्‍धता के अनुसार अन्‍य एलएचबी रेकों को क्रमिक आधार पर सेवा में लगाया जाएगा।

(ग): लंबी दूरी वाली गाड़ियों के स्‍लीपर श्रेणी के सभी सवारी डिब्‍बे निर्धारित कोडल आयु में हैं। डिपो और कारखानों में स्‍लीपर श्रेणी के सभी सवारी डिब्‍बों का निर्धारित समयानुसार नियमित रूप से रखरखाव किया जाता है। केरल जाने वाली 8 गाड़ियों में एलएचबी सवारी डिब्‍बे पहले ही लगा दिए गए हैं और निकट भविष्‍य में इन्‍हें और बढ़ाया जाएगा। आईसीएफ द्वारा हाल ही में अच्‍छी गुणवत्‍ता वाले भीतरी साज-सज्‍जा का एक मॉडल रेक तैयार किया गया है और इसे वायनाड एक्‍सप्रेस में लगाया गया है।

\*\*\*\*